



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 31] नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 17, 1985/श्रावण 26, 1907
No. 31] NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 17, 1985/SRAVANA 26, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

भाग II—खण्ड 4 PART II—Section 4

रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांख्यिक नियम और आदेश
Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence

रक्षा मंत्रालय

नई दिल्ली, 30 जुलाई, 1985

का. नि. आ. 184 :—छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उपधारा (7) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एन० द्वारा अधिसूचित करती है कि जनरल आफिसर कमांडिंग-इन-चीफ दक्षिण कमान, द्वारा कर्नल आर. सी. शर्मा का त्याग-पत्र स्वीकार कर लिए जाने के कारण छावनी बोर्ड, नगीराबाद में सदस्य का एक पद रिक्त हो गया है।

[फा. सं. 19/3/सी/मू. व छा./65/4031/डी (क्यू एंड सी.)]

MINISTRY OF DEFENCE

New Delhi, the 30th July, 1985

S.R.O. 184—In exercise of the powers conferred by sub-section (7) of Section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924) the Central Government hereby notifies that a vacancy has occurred in the membership of the Cantonment Board Nasirabad by reason of the acceptance by the General Officer Commanding-in-Chief, Southern Command of the resignation of Col. R. C. Sharma.

[F. No. 19/3/C/L&C/65/4031/D(Q&C)]

595 GI/85

(313)

का. नि. आ. 185 :—छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 21) की धारा 13 की उपधारा (7) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एन० द्वारा अधिसूचित करती है कि स्टेशन के कमान अफसर द्वारा कर्नल ए. एम. चोणकर को छावनी बोर्ड, नगीराबाद का सदस्य मनोनीत किया गया है। यह मनोनयन कर्नल आर. सी. शर्मा के स्थान पर किया गया है जिन्होंने त्यागपत्र दे दिया है।

[फा. सं. 19/3/सी/मू. व छा./65/4031/डी (क्यू एंड सी.)]

कर्तार सिंह, अवर सचिव

S.R.O. 185.—In exercise of the powers conferred by sub-section (7) of section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924) the Central Government hereby notifies that Lt. Col. A. S. Chonkar has been nominated by the Officer Commanding the Station as member of Cantonment Board Nasirabad vide Lt. Col. R. C. Sharma who has resigned.

[F. No. 19/3/C/L&C/65/4031-D(Q&C)]

KARTAR SINGH, Under Secy.

नई दिल्ली, 2 अगस्त, 1985

का. नि. आ. 186 :—राष्ट्रपति, सचिवालय के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, रक्षा अनुसंधान और

विकास सेवा नियम, 1979 का प्रागो और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं अर्थात्:—

1. (i) इस नियमों का संक्षिप्त नाम रखा अनुसंधान और विकास सेवा (दूसरा संशोधन) नियम, 1985 है।

(ii) ये 1 जून 1985 को प्रवृत्त हुए समझे जाएंगे।

2. रखा अनुसंधान और विकास सेवा नियम, 1979 में—

(1) नियम 2 में, उपनियम (2) का लोप किया जाएगा;

(2) नियम 7 के उपनियम (2) के परन्तुक के सिवाय, "आयोग के परामर्श से" शब्द, जहाँ कहीं भी, आए हैं, उनका लोप किया जाएगा

(3) नियम 7 के उपनियम (2) में, "आयोग", शब्द जहाँ भी आया है उसके स्थान पर "संघ लोक सेवा आयोग" शब्द रखे जाएंगे;

(4) नियम 4 के उपनियम (5) में, "और आयोग" के परामर्श से श्रेणी में उसकी ज्योष्ठता नियत कर सकेंगी" शब्दों का लोप किया जाएगा;

(5) नियम 8 के उपनियम (1) के खंड (ग) का लोप किया जाएगा;

(6) नियम 8 के उपनियम (1) के खंड (क) में, "परीक्षा की स्कीम के अनुसार, जो आयोग के परामर्श से अनुमोदित की जाएगी" और "आयोग के अनुमोदन के अधीन रहते हुए" शब्दों का लोप किया जाएगा;

(7) नियम 8 के उपनियम (2) के खंड (क) के स्थान पर निम्नलिखित खण्ड रखा जाएगा, अर्थात्:—

(क) विभिन्न स्थापनाओं/प्रयोगशालाओं, या मुख्यालयों में आयोजित मूल्यांकन बोर्ड की सिफारिशों, वैज्ञानिक "च" और वैज्ञानिक "छ" की श्रेणी में प्रोन्नति के मामले के सिवाय, वर्ष की पहली जुलाई से कार्यान्वित की जाएगी। यह तारीख ऐसे सभी अधिकारियों के बारे में, जिन्हें प्रोन्नति के लिए उपयुक्त मान लिया गया है, इस श्रेणी में उनकी ज्योष्ठता अवधारित करने के प्रयोजन के लिए, चयन की तारीख समझी जाएगी, वगैरें कि वे उस तारीख को कर्तव्य पर हों। तथापि, ऐसे अधिकारी, जो उस तारीख को अपने स्थापनों, प्रयोगशालाओं या मुख्यालयों से छुट्टी पर हों, अपने स्थापनों, प्रयोगशालाओं या मुख्यालयों में अपना कार्यभार संभालने की तारीख से अपना कार्यभार उस श्रेणी में संभालेंगे जिसमें उन्हें प्रोन्नति दी गई है, परन्तु इस से उनके चयन की तारीख या उसी मूल्यांकन बोर्ड द्वारा प्रोन्नति के लिए उपयुक्त समझे गए अन्य अधिकारियों की तुलना में उच्चतर श्रेणी में उनकी प्रोन्नति ज्योष्ठता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। जहाँ तक भारत में या विदेश (मू. नि. 51 के अन्तर्गत) प्रशिक्षण पा रहे व्यक्तियों का संबंध है, भगली उच्चतर श्रेणी में उन्हें उस तारीख से प्रोन्नत किया जाएगा जिस तारीख को वे, यदि प्रशिक्षण पर न गए होते तो प्रोन्नत किए जाते। ऐसी प्रोन्नति निम्नलिखित शर्तों को पूरा करने के अधीन होगी:—

- (1) ऐसे प्रशिक्षण की अवधि को मू. नि. 9 (6) (ख) के अधीन कर्तव्य माना जाता है;
- (2) उन्हें भगली उच्चतर श्रेणी में प्रोन्नति के लिए अनुमोदित कर दिया गया है;
- (3) उनके सभी उपबन्ध वरिष्ठ व्यक्तियों को, उस श्रेणी में प्रोन्नत कर दिया गया हो, सिवाय उनके जिन्हें किसी विशिष्ट श्रेणी में प्रोन्नति के लिए अग्रोध्य माना गया है";

(8) नियम 8 के उपनियम (3) में, "सेवा को सक्षिप्य में बनाए रखने के लिए नियम 6 का क्रम संख्या (2) से (6) तक में वर्णित विभिन्न पदस्थियों के अधीन अधिकारियों का चयन आयोग के परामर्श से वहाँ के सिवाय किया जाएगा, जहाँ केन्द्रीय सरकार के समूह "क" के

अधिकारी को प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त किया जाए" शब्दों का लोप किया जाएगा,

(9) अनुसूची 1 के स्थान पर निम्नलिखित अनुसूची रखी जाएगी, अर्थात्:—

अनुसूची 1

[नियम 8 का उप नियम (2) देखिए]

रखा अनुसंधान और विकास सेवा में प्रोन्नति के लिए अधिकारियों की उपयुक्तता का मूल्यांकन करने के लिए मूल्यांकन बोर्ड का गठन मूल्यांकन बोर्ड का गठन निम्नानुसार किया जाएगा:—

(1) अध्यक्ष सरकार द्वारा नियुक्त।

(2) महानिदेशक, अनुसंधान और विकास द्वारा नामनिर्दिष्ट उपयुक्त स्तर के दो विभागीय अधिकारी,—सदस्य

(3) दो बाहरी विशेषज्ञ जिन्हें सरकार नामनिर्दिष्ट करेगी—सदस्य

टिप्पणी:—(1) क्रम संख्यांक (2) में उल्लिखित अधिकारी, प्रोन्नति के लिए विचारणीय व्यक्तियों की श्रेणी साधारणतया एक श्रेणी ऊपर के होने चाहिए।

(2) अध्यक्ष से भिन्न, बोर्ड के किसी सदस्य की अनुपस्थिति से मूल्यांकन बोर्ड की कार्यवाही प्रविधिमाम्य नहीं होगी।

(10) अनुसूची 3 में टिप्पण 1 में, "आयोग" शब्द के स्थान पर "सरकार" शब्द रखा जाएगा।

[10351/डी प्रार डी एस/प्रार डी/कार्मिक-1/3929/डी (प्रार एचडी)]

एम. एल. सलहोत्रा, अवसर सचिव

टिप्पणी:—रखा अनुसंधान और विकास सेवा नियम, 1979 भारत के राजपत्र में भाग II, खंड 4 में का० नि० प्रा० 8 तारीख 30 दिसम्बर 1978 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और का० नि० प्रा० 307, तारीख 10 अक्टूबर, 1980, का० नि० प्रा० 196 तारीख 02 अगस्त 1982, का० नि० प्रा० 159 तारीख 06 मई 1983, का० नि० प्रा० 176 तारीख 07 अगस्त 1984, का० नि० प्रा० 228 तारीख 13 नवम्बर, 1984, और प्रा० नि० प्रा० 170 तारीख 12 जुलाई 1985 द्वारा संशोधित किए गए हैं।

का० नि० प्रा० का व्याख्यात्मक शापन तारीख
संघ लोक सेवा आयोग (परामर्श से छूट) विनियम 1985, उसा. का. नि. 512, तारीख 18 मई, 1985 द्वारा संशोधित किए गए हैं, और विनियमों की अनुसूची में रखा मंत्रालय के अधीन रखा अनुसंधान और विकास संगठन में वैज्ञानिक और तकनीकी कार्मिकों की भर्ती और प्रोन्नतियों को सम्मिलित करने के लिए 01 जून 1985 को भारत के राजपत्र में भाग II खंड 3 उपखंड (1) में पृष्ठ 1310 पर अधिसूचित किए गए थे। इस संशोधन के परिणामस्वरूप रखा अनुसंधान और विकास सेवा नियम 1979 भी इस का० नि० प्रा० द्वारा संशोधित किए जा रहे हैं। क्योंकि संघ लोक सेवा आयोग परामर्श से छूट विनियम 1958 का संशोधन 01 जून 1985 से प्रभावी है, इसलिए रखा अनुसंधान और विकास सेवा (दूसरा संशोधन) नियम, 1985 उसी तारीख, अर्थात् 01 जून 1985 से लागू होंगे। इन नियमों को भूतलसी प्रभाव से बनाने से सेवा के किसी भी सदस्य के हितों पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

New Delhi, the 2nd August, 1985

S.R.O. 186.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Defence Research and Development Service Rules, 1979, namely:—

1. (1) These rules may be called the Defence Research and Development Service (Second Amendment) Rules, 1985.

(2) They shall be deemed to have come into force with effect from the 1st June, 1985.

2. In the Defence Research and Development Service Rules, 1979,

(1) In rule 2, sub-rule (2) shall be omitted;

(2) the words "in consultation with the Commission" wherever they occur shall be omitted except in the proviso to sub-rule (2) of rule 7.

(3) in rule 7, sub-rule (2) for the word "Commission", wherever it occurs the words "Union Public Service Commission" shall be substituted;

(4) In sub-rule (5) of rule 4, the words "and fix his seniority in the grade in consultation with the Commission" shall be omitted;

(5) Clause (c) of sub-rule (1) of rule 8 shall be omitted.

(6) in clause (a) of sub-rule (1) of rule 8, the words "in accordance with the scheme of examination that may be approved in consultation with the Commission" and "subject to approval by the Commission" shall be omitted.

(7) for clause (c) of sub-rule (2) of rule 8, the following clause shall be substituted, namely :—

"(c) Recommendations of the Assessment Boards held at different Establishments, Laboratories or Headquarters, shall be implemented from the first July of the year, except in the case of promotion to the grades of Scientist 'F' and Scientist 'G'. This date shall be treated as the date of selection for the purpose of determining their seniority in the grade in respect of all officers cleared for promotion provided they are on duty on that date. However, officers who are away from Establishments, Laboratories or Headquarters on leave on that date, shall assume charge in the grade to which they are promoted with effect from the date they assume duty in their Establishments, Laboratories or Headquarters but this shall not affect their date of selection or their inter-se-seniority in the higher grade vis-a-vis the other officers cleared for promotion by the same Assessment Board. In so far as persons undergoing training in India or abroad (under F.R. 51), are concerned, they shall be promoted in the next higher grade with effect from the date they would have been so promoted had they not proceeded on training subject to the following conditions being fulfilled :—

(i) The period of such training is treated as duty under F.R. 9(6)(b);

(ii) They have been approved for promotion to the next higher grade;

(iii) All their seniors except those regarded as unfit for promotion to the particular grade available have been promoted to that grade."

(8) in sub-rule (3) of rule 8, the words "selection of officers under the different methods specified in clause (2) to (6) of rule 6, for future maintenance of service shall be made in consultation with the Commission except when appointing a Central Government Group 'A' officer on deputation" shall be omitted.

(9) for Schedule I, the following Schedule shall be substituted, namely :—

"SCHEDULE I

[See rule 8 sub-rule (2)]

Constitution of Assessment Board for assessing suitability of officers for promotion in the Defence Research and Development Service.

The Assessment Board shall be constituted as under :—

(1) Chairman—Appointed by the Government

(2) Two departmental officers of appropriate status nominated by the Director General Research and Development.—Members.

(3) Two outside experts to be nominated by the "Government"—Members.

(i) The officers mentioned at serial number (2) should normally be at least one level above the level for which the persons are to be considered for promotion.

(ii) the absence of a member of the Board other than the Chairman shall not invalidate the proceedings of the Assessment Board."

(10) In Schedule III, note 1, for the word "Commission" the word "Government" shall be substituted.

[10351/DRDS/RD/Pers-1/3929/D(R&D)]

M. L. SALHOTRA, Under Secy.

Note : The Defence Research and Development Service Rules, 1979, were published in the Gazette of India, Part II, Section 4, vide SRO 8 dated the 30th December, 1978 and have been amended vide SRO 307 dated the 10th October, 1980, SRO 196 dated the 2nd August, 1982, SRO 159 dated 6th May, 1983, SRO 176 dated the 7th August, 1984, SRO 228 dated the 13th November, 1984 and SRO 170 dated the 12th July, 1985.

EXPLANATORY MEMORANDUM TO S.R.O. DATED...

The Union Public Service Commission (Exemption from Consultations) Regulations, 1958 were amended vide G.S.R. 512 dated the 18th May, 1985, notified in the Gazette of India on the 1st June, 1985, in Part II, Section 3, sub-section (i) at page 1310, to include recruitment and promotions of Scientific and Technical Personnel in the Defence Research and Development Organisation under the Ministry of Defence, in the Schedule to the Regulations. As a consequence of this amendment the Defence Research and Development Service Rules, 1979, are being amended by this SRO. Since the amendment to the Union Public Service Commission (Exemption from Consultations) Regulations, 1958, is effective from the 1st June, 1985, the Defence Research and Development Service (second amendment) Rules, 1985 are being made applicable with effect from the same date, that is, the 1st June 1985. Making these rules effective retrospectively shall not adversely affect the interest of any member of the service.

नई दिल्ली, 17 जुलाई, 1985

का. धा. नि. 187 :—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परामर्श द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सेना के निम्नतर विरचनाओं में आश्लेषिक श्रेण. 9 के पद पर भर्ती की पद्धति का विनियमित करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, प्रार्थित :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ : (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम सेना (आणुलिपिक श्रेणों-1) भर्ती नियम, 1985 है।
(2) ये राजपत्र में प्रकाशन के तारख को प्रयुक्त होंगे।
2. पद-संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान :—उक्त पद का संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वह होगा जो इससे उपाबद्ध अनुसूचियों के स्तंभ-2 से 4 में विनिर्दिष्ट है।
3. भर्ती का पद्धति, आयु-सेमा और अर्हताएं आदि :—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सेमा अर्हताएं और उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो पूर्वोक्त अनुसूची के स्तंभ 5 से 14 में विनिर्दिष्ट हैं।
4. निरर्हता : वह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसको पत्न ज वित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपने पत्नी के अंतर्गत होते हुए, किसी व्यक्ति से विवाह किया है, उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परंतु यदि केन्द्र सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वयं विधि के अन्तर्गत प्रयोज्य है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार हैं तो यह किस व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगा।

5. शिथिल करने का शक्ति :—जहाँ केन्द्र या सरकार का यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समर्पक है, वहाँ वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके तथा संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके द्वा विधियों के किता उपबंध को किता वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों का बाबत, आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगा ।

6 व्यावृत्ति :—एन नियमों के कोई भी बात, ऐसे आरक्षणों, आयु-संश्लेषों में छूट अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगा, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए उपबंध करता प्रेषित है।

अनुसूची

पद का नाम	पदों का संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	अथवा अवकाश अवकाश पद	संघे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-स. मा	सेवा में जोड़े गए वर्षों का फायदा केन्द्र या सेवा (पेंशन) नियम, के नियम 30 के अधिन है या नहीं
1	2	3	4	5	6	7
प्राशुलिक क्षेत्र -1	* 66 (1985) कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	साधारण केन्द्र या सेवा, समूह "ख" अराज-पत्रित अनुसूचित य	530-25-750- ब. रो.-30- 900 रुपए	अवकाश	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
<p>संघे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य प्रवृत्तियाँ</p> <p>संघे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए परिवर्तन का अवधि, यदि कोई हो विहित आयु और शैक्षिक प्रवृत्तियाँ प्रोन्नति का वृत्त में लागू होगी या नहीं</p>						
8		9		10		
लागू नहीं होता		लागू नहीं होता		वो वर्ष		

भर्ती का पद्धति भर्ती संघे होगी या प्रोन्नति या प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भर्त जाने वाले रिक्तियों का प्रतिपादता

प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण द्वारा भर्ती का वशा में वे श्रेणियाँ जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण किया जाएगा।

11

प्रोन्नति द्वारा, जिसके न हो सकने पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण द्वारा।

टिप्पण :—प्रोन्नति के प्रयोजनों के लिए प्रत्येक कमान कोर को पृथक और स्वतंत्र एकक माना जाएगा और प्रोन्नति कमान कोर के भीतर फंडर श्रेणियों के पात्र कर्मचारियों में से उन का अवधारित का गई ज्येष्ठता के अनुसार का जाएगी।

12

प्रोन्नति

ऐसे आशुलिपिक श्रेणी 2 जिन्होंने उस पद पर नियमित आधार पर नियुक्ति के पश्चात् उस श्रेणी में 5 वर्ष सेवा की है।

प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण/स्थानांतरण

केन्द्रीय सरकार के अधीन ऐसे अधिकारी :

(क) जो सर्वप्रथम पद धारण किए हुए हैं ;

(ख) जो 425-700 रुपये के या समतुल्य वेतनमान में आशुलिपिक का पद धारण किए हुए हैं और जिन्होंने उस श्रेणी में 5 वर्ष सेवा की है।

(फीडर प्रवर्ग के ऐसे विभाग्य अधिकारी जो प्रोन्नति की सीधी लाइन में हैं, प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति के लिए विचार किए जाने के पात्र नहीं होंगे। उसी प्रकार प्रतिनियुक्ति किए गए व्यक्ति प्रोन्नति द्वारा नियुक्ति के लिए विचार किए जाने के पात्र नहीं होंगे। प्रतिनियुक्ति का अवधि, जिसके अंतर्गत उसी संगठन/विभाग में इस नियुक्ति से ठीक पहले धारित किसी अन्य काइड बाहुय पद पर प्रतिनियुक्ति का अवधि है, साधारणतया तीन वर्ष से अधिक नहीं होगा।)

यदि विभाग्य प्रोन्नति समिति है तो उसको संरचना

भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा

13

समूह "ख" विभाग्य प्रोन्नति समिति :

- (1) सेना मुख्यालय में संबंधित कोर सेवा का उप निदेशक--अध्यक्ष।
- (2) सेना मुख्यालय में ज्येष्ठ सिविलियन स्टाफ अधिकारी या समतुल्य--सदस्य।
- (3) रक्षा मंत्रालय में प्रशासनिक प्रवर सचिव--सदस्य।

14

पद पर नियुक्ति के लिए चयन करते समय संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करना आवश्यक नहीं है।

[फा. सं. 57472/प्रो. प्रार. जॉ. 4 (ख 4) (क)]

एम. सं. जुनेजा, प्रवर सचिव

New Delhi, the 17th July, 1985

S.R.O. 187.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Stenographer, Grade I in the lower formation of the Army, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Army (Stenographer Grade I) Recruitment Rules, 1985.

(2) They shall come into force from the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number, classification and scale of pay.—The number of the post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed hereto.

3. Method of recruitment, age limit and qualifications, etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters related to the said post shall be as specified in columns 5 to 14 of the Schedule aforesaid.

4. Disqualification.—No person—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order and for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of post	No. of post	Classification	Scale of pay	Whether Selection post or Non-Selection post	Age limit for direct recruits	Whether benefit of added years of service admissible under rule 30 of the CCS (Pension) Rules, 1972	Educational and other qualification required for direct recruits	Whether age and educational qualification prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation if any
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
Stenographer Grade-I	66* (1985) *Subject to variation dependent on workload.	General Central Service Group 'B' Non-Gazetted Ministerial	Rs. 550-750-EB-30-900.	Non-Selection	Not applicable	Not applicable	Not applicable	Not applicable	Two years

Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods.	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made.	If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment.
11	12	13	14
By promotion failing which by transfer on deputation. Note : For the purposes of promotion, each Command/Corps shall be considered separate and independent unit and promotion shall be made from eligible employees of the feeder grade within the Command/Corps according as their seniority is determined	Promotion : Stenographers Grade II with 5 years service in the grade rendered after appointment thereto on regular basis Transfer on Deputation/transfer : Officers under the Central Government holding : (a) analogous posts; (b) posts of Stenographers in the pay Scale of Rs. 415-700 or equivalent with 5 years service in the grade. (The departmental officers in the feeder category who are in the direct line of promotion will not be eligible for consideration for appointment on deputation. Similarly, deputationists shall not be eligible for consideration for appointment by promotion. Period of deputation including the period of deputation in another ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same organisation/department shall not ordinarily exceed 3 years.)	Group 'B' Departmental Promotion Committee : (i) Deputy Director of concerned Corps/service at Army HQ —Chairman (ii) Senior Civilian Staff Officer or equivalent at Army HQ —Member (iii) Administrative Secretary in the Ministry of Defence —Member	Consultation with the Union Public Service Commission not necessary while making selection for appointment to the post.

[F. No. 57472/Org. 4(Civ) (a)]

M. C. JUNEJA, Under Secy.

नई दिल्ली, 8 जुलाई, 1985

का. नि. आ. 188.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सशस्त्र सेना मुख्यालय सिविल सेवा नियम 1968 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्—

1. (1) उन नियमों का संक्षिप्त नाम सशस्त्र सेना मुख्यालय सिविल सेवा (संशोधन) नियम, 1985 है।
- (3) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2 सशस्त्र सेना मुख्यालय सिविल सेवा नियम, 1968 :—

(क) नियम 13 के उपनियम (2) में विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाए,—

“सिद्धी भर्ती किए जाने वाले व्यक्ति से भिन्न ऐसा प्रत्येक व्यक्ति जब उसे सिविलियन स्टाफ आफिसर सहायक सिविलियन स्टाफ आफिसर और सहायक की श्रेणी में पहले बार नियुक्त किया जाता है, ऐसी नियुक्ति की तारीख से दो वर्ष की कालावधि के लिए परीक्षा पर रहेगा।

टिप्पण. ऐसा व्यक्ति जो न्यून श्रेणी में पहले से परीक्षा पर है सशस्त्र सेना मुख्यालय सिविल सेवा (संशोधन) नियम, 1985 के प्रकाशन की तारीख से परीक्षा हटाया गया समझा जाएगा।

(ख) तीसरी अनुसूची में न्यून श्रेणी (समूह “क”) के पद के सामने :—

(i) स्तंभ 3 में “प्रतिष्ठायी रिक्तियाँ” शीर्षक के नीचे विद्यमान प्रविष्टियों से “जिनमें कि परीक्षा की कालावधि समाधानप्रद रूप से पूरी कर ली है” शब्दों का लोप किया जाएगा।

(ii) स्तंभ 5 में “अस्थायी रिक्तियों” के सामने “2 वर्ष” शब्दों का लोप किया जाएगा।

[फा. सं. 3/21403/म.प्र.अ/भर्ती-2]

पहले नामराज रेड्डी, उप मुख्य प्रशासन अधिकारी

टिप्पण : मूल नियम भारत के राजपत्र का. नि. आ० 118 तारीख 1-4-1968 द्वारा 13-4-1968 को प्रकाशित किए गए थे। तत्पश्चात् का. नि. आ. 43, तारीख 14-1-71 द्वारा संशोधित किया गया।

का. नि. आ. 128 तारीख 18-3-71, का. नि. आ. 161 तारीख 19-4-71,

का. नि. आ. 43 तारीख 31-1-72, का. नि. आ. 113 तारीख 19-4-1971,

का. नि. आ. 325 तारीख 24-11-72, का. नि. आ. 58 तारीख 22-1-75,

का. नि. आ. 100 तारीख 28-2-75, का. नि. आ. 110 तारीख 5-3-75,

का. नि. आ. 10 तारीख 17-1-76, का. नि. आ. 149 तारीख 1-6-76,

का. नि. आ. 255 तारीख 20-6-77, का. नि. आ. 324 तारीख 30-8-77,

का. नि. आ. 412 तारीख 30-11-77, का. नि. आ. 24 तारीख 4-1-78,

का. नि. आ. 155 तारीख 27-4-78, का. नि. आ. 349 तारीख 20-11-79,

का. नि. आ. 350 तारीख 20-11-78, का. नि. आ. 39 तारीख 19-1-79,

का. नि. आ. 114 तारीख 18-3-80, का. नि. आ. 226 तारीख 9-7-80,

का. नि. आ. 11 तारीख 31-11-80 का. नि. आ. 12-अ तारीख 13-4-81 और का. नि. आ. 196 तारीख 2-6-1981

New Delhi, the 8th July, 1985

S.R.O. 188.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Armed Forces Headquarters Civil Service Rules, 1968.

1. (1) These rules may be called the Armed Forces Headquarters Civil Service (Amendment) Rules, 1985.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Armed Forces Headquarters Civil Service Rules, 1968 :—

(a) for sub-rule (2) of rule 13 the following sub-rule shall be substituted, namely :—

“(2) Every person other than a direct recruit shall, when first appointed to the grades of Civilian Staff Officer, Assistant Civilian Staff Officer and Assistant, be on a probation for a period of two years from the date of such appointment.

Note : Persons already on probation in the grade of Selection Grade shall be deemed to have been removed from probation from the date of publication of the Armed Forces Headquarters Civil Service (Amendment) Rules, 1985.”

(b) in the Third Schedule against the post of Selection Grade (Group ‘A’)—(i) in the entry under Column 3 under the heading “Substantive vacancies”—the words “who have completed the period of probation satisfactorily” shall be omitted.

(ii) in the entry under Column 5 under the heading “Temporary vacancies” the words “2 years” shall be omitted.

[File No. A/21403/CAO/R-II]

P. N. REDDY, Dy. Chief Admn. Officer

Note :—The principal rules were published in the Gazette vide SRO 118 dated 1-4-1968 on 13-4-68. Subsequently amended vide SRO 43 dated 14-1-1971, SRO 128 dated 18-3-1971, SRO 161 dated 19-1-1971, SRO 43 dated 31-1-1972, SRO 113 dated 17-4-1972, SRO 325 dated 24-11-1972, SRO 58 dated 22-1-1975, SRO 100 dated 28-2-1975, SRO 110 dated 5-3-1975, SRO 10 dated 17-1-1976, SRO 324 dated 30-8-1977, SRO 412 dated 30-11-1977, SRO 24 dated 4-1-1978, SRO 155 dated 27-4-1978, SRO 349 dated 20-11-1978, SRO 350 dated 20-11-1978, SRO 39 dated 19-1-1979, SRO 114 dated 18-3-1980, SRO 226 dated 9-7-1980, SRO 11-E dated 31-10-1980, SRO 12-E dated 13-4-1981, and SRO 196 dated 2-6-1981.

नई दिल्ली, 22 जुलाई, 1985

का. नि. आ. 189.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय नौसेना (समूह “ग” और समूह “घ” पद) भर्ती नियम, 1979 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय नौसेना (समूह “ग” और “घ” पद) भर्ती (संशोधन) नियम 1985 है।

- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
2. भारतीय नौसना (समूह "ग" और समूह "घ" पद) भरती नियम, 1979 की अनुसूची में,—
- (क) ग्येष्ठ गेस्टेडनर आपरेटर के पद से संबंधित क्रम सं. 1 के सामने स्तंभ (4) में प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी अर्थात् :—
"साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "ग" अराजपत्रित, अननु-संधितीय, अनौद्योगिक";
- (ख) कनिष्ठ गेस्टेडनर आपरेटर के पद से संबंधित क्रम सं. 2 के सामने,—
- (1) स्तंभ (4) में प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :—
"साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह "घ" अराजपत्रित, अनौद्योगिक";
- (2) स्तंभ 10 में प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :—
"सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए दो वर्ष। अन्तर्गत व्यक्तियों, प्रोन्नत व्यक्तियों के लिए कोई परीक्षा अवधि नहीं।"
- (ग) अभिलेखपाल के पद से संबंधित क्रम सं. 3 के सामने,—
- (1) स्तंभ 4 में प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी अर्थात् :—
"साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "घ" अराजपत्रित अनौद्योगिक";
- (2) स्तंभ 10 के प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :—
"सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए दो वर्ष। अन्तर्गत व्यक्तियों, प्रोन्नत व्यक्तियों के लिए कोई परीक्षा अवधि नहीं।"
- (घ) वफतरी के पद से संबंधित क्रम सं. 4 के सामने,—
- (i) स्तंभ 4 में प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी अर्थात् :—
"साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह "घ" अराजपत्रित, अनौद्योगिक";
- (ii) स्तंभ 10 में प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी अर्थात् :—
"सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए दो वर्ष। अन्तर्गत व्यक्तियों, प्रोन्नत व्यक्तियों के लिए कोई परीक्षा अवधि नहीं।"
- (ङ) जभादार के पद से संबंधित क्रम सं. 5 के सामने,—
- (i) स्तंभ 4 में प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :—
"साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "घ", अराजपत्रित, अनौद्योगिक।"
- (ii) स्तंभ 10 में प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :—
"कोई परीक्षा अवधि नहीं।"
- (च) जपरासी के पद से संबंधित क्रम सं. 6 के सामने,—
- (i) स्तंभ 4 में प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :—
"साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "घ", अराजपत्रित, अनौद्योगिक";

(छ) वाचमैन (प्रहरी) के पद से संबंधित क्रम सं. 7 के सामने स्तंभ 4 में प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :—

"साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "घ", अराजपत्रित अनौद्योगिक।"

(ज) सफाई मुकादम, लीडिंगमैन, ओवरसीयर के पद से संबंधित क्रम सं. 8 के सामने,—

(1) स्तंभ 4 में प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी अर्थात् :—

"साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह "घ", अराजपत्रित, अनौद्योगिक";

(2) स्तंभ 10 में प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :—

"कोई परीक्षा अवधि नहीं।";

(झ) सफाईवाला के पद से संबंधित क्रम सं. 9 के सामने— स्तंभ 4 में प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :—

"साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह "घ" अराजपत्रित अनौद्योगिक"
[फाइल सं. सी पी (एस सी)/2845]

टिप्पण: मूल नियम भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 4 तारीख 11 अगस्त, 1979 में भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय की अधिसूचना का.नि.आ. 211 तारीख 28 जुलाई, 1979 के रूप में अधिसूचित किए गए थे और बाद में उनका 6 जून, 1981 को भारत के राजपत्र में अधिसूचित भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय की अधिसूचना का.नि.आ. 151, तारीख 21 मई, 1981 द्वारा संशोधन किया गया।

(i) भारत के राजपत्र, भाग II, खंड 4 पृष्ठ 287 से 297 प्रकाशित भारत सरकार की अधिसूचना का.नि.आ. 211, तारीख 28 जुलाई 1979

(ii) भारत के राजपत्र भाग II, खंड 4 पृष्ठ 235 और 236 में प्रकाशित भारत सरकार की अधिसूचना का. नि. आ. 151 तारीख 6 जून, 1981।

New Delhi, the 22nd July, 1985

S.R.O. 189.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Navy (Group 'C' and Group 'D' posts) Recruitment Rules, 1970, namely:—

1. (1) These rules may be called the Indian Navy (Group 'C' and Group 'D' posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1985.

2. They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Navy (Group 'C' and Group 'D' posts) Recruitment Rules, 1979,—

(a) against serial No. 1 relating to the post of Senior Gestetner Operator, in column 4 for the entry the following entry shall be substituted, namely :—
"General Central Service, Group 'C', Non-Gazetted, Non-Ministerial, Non-Industrial";

(b) against serial No. 2 relating to the post of Junior Gestetner Operator,

(i) in column 4, for the entry, the following entry shall be substituted, namely :—

"General Central Services, Group 'D', Non-Gazetted, Non-Industrial";

(ii) in column 10 for the entry, the following entry shall be substituted, namely :—

"Two years for direct recruits. No probation period for transferees/promotees";

(c) against serial No. 3, relating to the post of Record Keeper,—

(i) in column 4 for the entry, the following entry shall be substituted namely:—

"General Central Service, Group 'D', Non-Gazetted Non-Industrial.";

(ii) in column 10 for the entry, the following entry shall be substituted namely :—

"Two years for direct recruits. No probation period for transferees/promotees.";

(d) against serial No. 4 relating to the post of Daftry,—

(i) in column 4 for the entry, the following entry shall be substituted, namely :—

(ii) General Central Service, Group 'D', Non-Gazetted, Non-Industrial.";

(iii) in column 10 for the entry, the following entry shall be substituted, namely :—

"Two years for direct recruits. No probation period for transferees/promotees.";

(e) against serial No. 5 relating to the post of Jamadar,—

(i) in column 4 for the entry, the following entry shall be substituted, namely :—

"General Central Service, Group 'D', Non-Gazetted, Non-Industrial.";

(ii) in column 10 for the entry, the following entry shall be substituted, namely :—

"No probation period.";

(f) against serial No. 6 relating to the post of Peon,—

(i) in column 4 for the entry the following entry shall be substituted, namely :—

"General Central Service, Group 'D', Non-Gazetted, Non-Industrial.";

(g) against serial No. 7 relating to the post of Watchman, in column 4 for the entry, the following entry shall be substituted, namely :—

"General Central Service, Group 'D', Non-Gazetted, Non-Industrial.";

(h) against serial No. 8 relating to the post of Conservancy Mukadam/Leadingman/Overseer:

(i) in column 4 for the entry, the following entry shall be substituted, namely :—

"General Central Service, Group 'D', Non-Gazetted, Non-Industrial.";

(ii) in column 10 for the entry, the following entry shall be substituted, namely :—

"No probation period.";

(i) against serial No. 9 relating to the post of Safai-wala, in column 4 for the entry, the following entry shall be substituted, namely :—

"General Central Service, Group 'D', Non-Gazetted, Non-Industrial.";

[File No. CP (SC)]2845]

Note.—The principal rules were published in the Gazette of India, Part II, Section 4, dated 11 Aug 79, as notification of the Government of India in the Ministry of Defence SRO 21 dated the 28th July, 1979 and subsequently amended by notification of the Government of India, in the Ministry of Defence notification SRO 151 dated the 21st May 1981, notified in the Gazette of India on the 6th June 1981.

(i) Government of India notification SRO 211 dated 28th July 1979 published in the Gazette of India, Part II, Section 4 at pages 287 and 297.

(ii) Government of India notification SRO 151 dated the 6th June, 1981 published in the Gazette of India, Part II, Section 2 at pages 235 and 236.

नई दिल्ली, 17 जुलाई, 1985

का नि आ 190.—राष्ट्रपति संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक्त द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सैनिक इंजीनियर सेवा बर्ग 1 (भर्ती, प्रोन्नति और ज्येष्ठता) नियम का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ : (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम सैनिक इंजीनियर सेवा समूह "क" (भर्ती, प्रोन्नति और ज्येष्ठता) नियम, 1985 है

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. सैनिक इंजीनियर सेवा बर्ग 1 (भर्ती, प्रोन्नति और ज्येष्ठता) नियम, 4 के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

"1.—केन्द्रीय सरकार नियम 2 के उपबन्धों के अधीन रहते हुए किन्हीं विशिष्ट शक्तियों को या ऐसी शक्तियों को, जिन्हें किसी विशिष्ट उद्देश्य के दौरान भरा जाना अपेक्षित हो। भरने के प्रयोजन के लिए अपसाई आने वाली पद्धति या पद्धतियों और प्रत्येक पद्धति द्वारा भर्ती किए जाने वाले अभ्यर्थियों को मर्यादा का अवधारण करेगी।

परन्तु यह कि सेवा (सहायक कार्यालयक इंजीनियर) में शक्तियों को उपरोक्त नियम 3 के खंड (1) में विनिर्दिष्ट पद्धति द्वारा भरा जाएगा।"

[एम एफ सं 85604/16/ए ई ई/सी एस सी सी]

एम. सी. गुजरा, अवर सचिव

टिप्पण. मूल नियम, भारत के राजपत्र में सरकारी अधिसूचना तथा मंत्रालय में 1581 तारीख 19 सितम्बर 1949 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और तत्पश्चात् उनका निम्नलिखित द्वारा संशोधन किया गया—

(i) अधिसूचना सं. 2028 तारीख 29-2-1950

(ii) अधिसूचना सं. 528 तारीख 10-2-1967

(iii) सा. का नि. आ. सं. 41 तारीख 1-2-1969

(iv) का. नि. आ. सं. 75 तारीख 17-3-1977

का. नि. आ. सं. 346 तारीख 23-9-1977

New Delhi, the 17th July, 1985

S.R.O. 190.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Military Engineer Services Class I (Recruitment, Promotion and Seniority) Rules, namely :—

1. Short title and commencement (1) These rules may be called the Military Engineer Services Group 'A' (Recruitment, Promotion and Seniority) (Amendment) Rules, 1985.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Military Engineer Services Class I (Recruitment, Promotion and Seniority) Rules, for rule 4, the following shall be substituted namely :—

“ 4-Subject to the provision of rule 3, the Central Government shall determine the method or methods to be employed for the purpose of filling any particular vacancies or such vacancies as may require to be

filled during any particular period, and the number of candidates to be recruited by each method.

Provided that vacancies in the service (Assistant Executive Engineer) shall be filled by the method specified in clause (i) rule 3 above.”

[MF No. 85604/16/AEE/CSCC]

M. C. JUNEJA, Under Secy.

Note :—The principal rules were published in the Gazette of India Government notification, Ministry of Defence No. 1581 dated 17th September, 1949 and subsequently amended vide

(i) Notification No 2028 dated 29-2-1950

(ii) Notification No. 528 dated 10-2-1967

(iii) SRO No 41 dated 1-2-1969

(iv) SRO No 75 dated 17-3-1977

(v) SRO No 346 dated 23-9-1977